आफरी का विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून, 2013

पौधों को लगाने के साथ-साथ उनका संरक्षण एवं संवर्धन सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य है । वृक्षारोपण कार्य किसी एक विभाग या संस्थान का नहीं वरन् हम सभी का दायित्व है । यह उद्गार मुख्य वन संरक्षक, जोधपुर के **श्री ए.के.सिंह** ने पर्यावरण दिवस पर शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) एवं जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में वनस्पति विज्ञान विभाग, जोधपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में व्यक्त किये । श्री सिंह ने बताया कि हर वर्ष पर्यावरण दिवस हेतु एक विशेष विषय दिया जाता है तथा इस वर्ष का विषय है -सोचो, खाओ, बचाओ (THINK, EAT & SAVE). वस्तुतः एक अनुमान के अनुसार विश्व की जनसंख्या 7 बिलियन है तथा लगभग 1.3 बिलियन टन खाद्य हर वर्ष नष्ट हो जाता है , ऐसे में लगभग 7 में से 1 व्यक्ति भूखा रहता है । आज की आवश्यकता है कि जनसंख्या नियंत्रण के साथ खाद्य की आवश्यकता एवं आपूर्ति हर एक तक सुनिश्चित की जा सके । उन्होने लोगों से पब्लिक परिवहन का उपयोग करने, अधिकाधिक वृक्षारोपण करने एवं उसकी देखभाल करने का आव्हान किया ।

आफरी निदेशक डॉ. टी.एस.राठौड़ ने बताया कि सन् 1972 के पश्चात पर्यावरण के प्रति जनचेतना तथा प्राकृतिक संसाधनों के सतत् उपयोग की अवधारणा को बल मिला है । आज भी विश्व के कई देशों में वन क्षेत्र निर्धारित न्यूनतम सीमा से कम है तथा भारत एवं चीन में जनसंख्या की अत्यधिक वृद्धि एवं कम वन क्षेत्र अनेक

समस्याओं का कारण बना हुआ है । वर्तमान युग में बदलती जलवायु परिवर्तन के प्रभावों तथा जैव विविधता के क्षरण को रोकने हेतु आवश्यक है कि हर व्यक्ति पौधरोपण करें तथा उसका उचित पालन-पोषण कर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें ।

वनस्पति विज्ञान परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सरस्वती पूजा के पश्चात वनस्पति विज्ञान के प्रभागाध्यक्ष डॉ. हुकूम सिंह गहलोत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया । वनस्पति विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. एन.एस.शेखावत ने पर्यावरण दिवस एवं उसके महत्व को समझाते हुए वातावरण में तेजी से बढ़ती हुई कार्बनडाईआक्साइड की मात्रा पर चिन्ता व्यक्त करते हुए इसके निराकरण हेतु अधिकाधिक वृक्ष लगाने की आवश्यकता प्रतिपादित की । उन्होंने मानव द्वारा प्रेरित जलवायु प्रभावों, बढ़ती जनसंख्या एवं घटते प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर

दिया । उन्होने नवीन तकनीकें विकसित कर पौधों के पुनरोपीकरण की आवश्यकता बताई ।

विज्ञान संकाय के डीन डॉ.एम.एस.सिसोदिया ने प्राकृतिक संसाधनों के उचित प्रबन्धन तथा आफरी, वन विभाग एवं जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के संयुक्त सहयोग से नर्सरी तथा पौधरोपण कार्यक्रमों के आयोजन करने का अनुरोध किया । उन्होंने विश्वविद्यालय में कम्पोस्टी खाद्य तैयार करने, प्लास्टिक निषेद्य क्षेत्र घोषित करने तथा वाहनों के न्यूनतम उपयोग की जरूरत भी बताई । कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन आफरी के जनसम्पर्क अधिकारी तथा विस्तार अधिकारी (सामान्य) डॉ. एन.के.बौहरा ने किया ।

इससे पूर्व सुबह 8.30 बजे वनस्पति विज्ञान परिसर में अतिथियों तथा आफरी एवं जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों ने अर्जुन, चन्दन, अशोक, बादाम, सरेस, बोगोनविलिया आदि के लगभग 76 पौधे रोपे गयें । कार्यक्रम

में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रा श्री रामनिवास चौधरी, एन.एस.एस. के कोडिनेटर प्रोफेसर चैनाराम चौधरी, विश्वविद्यालय के इंजीनियर मुन्नीलाल प्रजापत, प्राणी विज्ञान के प्रभागाध्यक्ष डॉ. अशोक पुरोहित, रसायन विभाग की प्रभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता कुमट, विज्ञान संकाय के सेक्शन अधिकारी मोहनसिंह भाटी, श्री मुलाराम, आफरी के वैज्ञानिक प्रवीण चव्हाण, डॉ. आभा रानी , श्री बी.एम. कल्ला, डॉ. सुनील कुमार सहित अनेक अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे । डॉ. एन.के.बौहरा ने कविता सुनाई

मैं हरा पेड़ हूं बचा लो मुझको, मैं तुम्हें फल-फूल दूंगा-छांव भी दूंगा
और दूंगा प्राणवायु आक्सीजन भी,पर अगर मैं ही नहीं रहा तो तुम भी न बच पाओगें
मेरे साथ इस धरती से तुम्हारा भी नामोनिशान मिट जाऐगा ।